भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4569 का उत्तर

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और पांढुरना जिला के लिए अमृत भारत स्टेशन स्कीम

4569. श्री राहुल सिंह लोधी:
श्री बंटी विवेक साहू:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और पांढुरना जिलों में अमृत भारत स्टेशन स्कीम (एबीएसएस) के अंतर्गत पुनर्विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) छिंदवाड़ा और जुन्नारदेव रेलवे स्टेशनों पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्य का ब्यौरा के साथ-साथ इसमें हुए प्रगति का ब्यौरा क्या है तथा उक्त कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): मध्य प्रदेश राज्य में स्थित छिंदवाड़ा जिले के छिंदवाड़ा और जुन्नार देव स्टेशनों तथा पंढुर्ना जिले के पांढुरना स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किया गया है।

- **छिंदवाड़ा स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, कॉनकोर्स, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्म शेल्टर और 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है और स्टेशन भवन की ऊंचाई, पोर्च, साइनेज, रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड और सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **जुन्नार देव स्टेशन: शौचालय सुधार और नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है। नए स्टेशन भवन, पोर्च, लिफ्ट, परिचलन क्षेत्र सुधार और नए 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू हो चुका है।**

- **पांढुरना स्टेशन: नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। पोर्च, नए 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल, लिफ्ट का निर्माण और परिचलन क्षेत्र के सुधार का काम शुरू हो चुका है।**

ग्राहक संतुष्टि को बेहतर बनाने और उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वयन करना सम्मिलित है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार**
- **शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण**

- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था और वॉटर बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, बहुविध एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कार्यकारी लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार गिट्टी रहित पटरियों का प्रावधान, चरणबद्ध तरीके से कार्य करना और व्यवहार्यता तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण की परिकल्पना की गई है।

इस योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य में स्थित छिंदवाड़ा, जुन्नार देव और पांढुरना स्टेशनों सहित 80 स्टेशनों की पहचान की गई है। मध्य प्रदेश राज्य में इस योजना के अंतर्गत पहचाने गए स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
मध्य प्रदेश	80	अकोदिया, आमला, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बानापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बेतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, बियावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दामोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जं, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुरवारा, कटनी साउथ, खाचरोड, खजुराहो जं, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी जं, मंडलाफोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जं, नैनपुर जं, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, नेपानगर, नीमच, ओरछा, पांढुरना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रूठियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, शामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा, विक्रमगढ़ आलोट

मध्य प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य के 06 स्टेशनों (कटनी दक्षिण, नर्मदापुरम, ओरछा, सिवनी, शाजापुर और श्रीधाम) के चरण-I का

कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तीव्र गति से शुरू किया गया है और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- बरगवां स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय में सुधार, प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, पार्किंग, शौचालय खंड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल और द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

- ब्योहारी स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय में सुधार, प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, पार्किंग, शौचालय खंड, 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2 और 3 पर लिफ्ट और एस्केलेटर का काम शुरू हो चुका है।

- मैहर स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार, प्रवेश द्वार, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, पार्किंग, शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार और मौजूदा स्टेशन भवन के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

- रुठियाई स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, पार्किंग, शौचालय और मौजूदा स्टेशन भवन के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल का काम शुरू हो चुका है।

- **शिवपुरी स्टेशन: नए प्रवेश द्वार, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म सतह और प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मौजूदा स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, शौचालय, पार्किंग और 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल के सुधार का कार्य शुरू हो चुका है।**

- **विदिशा स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, पार्किंग और शौचालय का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।**

भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अनुसार किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन के समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

निधि आवंटन:

भारतीय रेल यात्रियों को उन्नत एवं आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल के वर्षों में, रेल मंत्रालय ने ग्राहक सुविधाओं के उन्नयन हेतु पहले की तुलना में भारी निवेश किया है। 2004-14, 2014-25 और 2025-26 के दौरान योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत व्यय निम्नानुसार है:

अवधि	योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत व्यय
2004-14	₹ 6,733 करोड़
2014-25	₹ 35,591 करोड़
2025-26 (जुलाई, 2025 तक)	₹ 3,701 करोड़

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के तहत वित्त पोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्यवार। मध्य प्रदेश राज्य सात रेल जोन के अधिकार क्षेत्र में आता है, अर्थात् मध्य रेल, पूर्व मध्य रेल, उत्तर मध्य रेल, दक्षिण मध्य रेल, दक्षिण पूर्व मध्य रेल, पश्चिम रेल और पश्चिम मध्य रेल। इन क्षेत्रों के लिए, योजना शीर्ष-53 के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ₹5,566 करोड़ का निधि आवंटन किया गया है और अब तक (जुलाई, 2025 तक) ₹1,795 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी

ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****